

श्री सभापति: इसमें जेठमलानी जी की मदद ले लीजिए।

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, I fully associate myself with him.

श्री सभापति: नेक्स्ट क्वेश्चन 126। श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठ नहीं है, इसलिए आप बोलिए। श्री राम जेठमलानी जी, आप क्वेश्चन पूछिये।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को यू०जी०सी० से अनुदान

*126. श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठ:

श्री राम जेठमलानी:††

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को वित्तीय सहायता के रूप में अनुदान देता है;

(ख) यदि हां, तो क्या अनुदान की राशि प्रदान करने के लिए कोई एक समान मानदंड निर्धारित किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि बिहार राज्य में प्रति विद्यार्थी सबसे कम अनुदान दिया जाता है जबकि कर्णाटक में प्रति विद्यार्थी यह अनुदान सबसे अधिक है; और

(ङ) यदि हां, तो ऐसे अनुदानों की राशि का ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी):

(क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ङ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सभी पात्र केन्द्रीय विश्वविद्यालयों तथा उनके घटक/संबद्ध कालेजों को अनुरक्षण तथा विकास अनुदान प्रदान करता है। पात्र राज्य विश्वविद्यालयों तथा उनके पात्र सम्बद्ध कालेजों के मामले में आयोग केवल विकास अनुदान प्रदान करता है जबकि अनुरक्षण अनुदान संबंधित राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

विभिन्न योजनाओं के तहत इन स्कीमों में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकास अनुदान प्रदान किए जाते हैं जो सभी पात्र संस्थाओं पर एक समान

††सभा में यह प्रश्न श्री राम जेठमलानी द्वारा पूछा गया।

लागू है। एक पात्र विश्वविद्यालय/कालेज को एक स्कीम के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए जाने वाले विकास अनुदान की मात्रा उपयुक्त प्रस्ताव की प्राप्ति तथा पूर्व प्राप्त अनुदानों के उपयोग जैसे घटकों पर निर्भर करती है।

पूर्वोक्त कारणों से विभिन्न राज्यों को प्रदत्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुदानों की प्रति व्यक्ति तुलना नहीं की जा सकती।

UGC grant to universities and colleges

†*126. SHRI RAJ MOHINDER SINGH MAJITHA:
SHRI RAM JETHMALANI:††

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that University Grants Commission provides grant to universities and colleges as financial help;

(b) if so, whether there is any prescribed uniform criteria for providing the amount of grant;

(c) if so, the details thereof;

(d) whether it is a fact that minimum per student grant is in the State of Bihar whereas maximum per student grant is in Karnataka; and

(e) if so, the details of amount of these grants?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (e) The University Grants Commission (UGC) provides maintenance as well as development grants to all eligible Central Universities and their constituent/affiliated Colleges. In the case of eligible State Universities and eligible colleges affiliated to them, the Commission provides only development grants, while maintenance grant is provided by the concerned State Governments.

Development Grants are provided by UGC under various Schemes as per criteria laid down for the schemes, which are uniformly applicable

† Original notice of the question was received in Hindi.

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ram Jethmalani.

to all eligible institutions. Quantum of Development grant given by the UGC under a scheme to an eligible University/College depends on factors such as receipt of a proper proposal and utilization of earlier grants.

For the forgoing reasons, UGC's grants to various States, per capita, are not comparable.

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, I wish to enquire from the hon. Minister about one of their pet schemes and a very desirable one—the Mid-Day Meal Scheme. Now, I understand that your Ministry has estimated that you require about Rs. 8000 crores, and I understand that due to financial crunch you are not able to get even 50 per cent of this, and, therefore, this Mid-Day Meal Scheme is going to suffer and poor children won't be able to get a square meal. Now, what do you propose to do about it?

श्री राजीव शुक्ल: सर, क्वेश्चन क्या है? ... (व्यवधान) ..

श्री सभापति: आप सवाल करिये। आपने क्वेश्चन के ऊपर पढ़कर दस्तखत किये हैं या वैसे ही कर दिये हैं। ... (व्यवधान) .. आप छोड़िये, पढ़कर दस्तखत नहीं किये हैं तो। ... (व्यवधान) ..

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, I entirely agree with you.

श्री सभापति: ठीक है। आप बैठ जाइये। नेक्स्ट क्वेश्चन 127 ... (व्यवधान) ..

श्री मूल चन्द मीणा: सर, सप्लीमेंट्री क्वेश्चन पूछना है। ... (व्यवधान) ..

श्री सभापति: मेन क्वेश्चन ही नहीं पूछा जा सका है। ... (व्यवधान) .. क्वेश्चन के पूछने का सवाल नहीं है। श्री मजीठा साहब ने इन्हें कागज दिखाया और इन्होंने दस्तखत कर दिये। ... (व्यवधान) ..

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, let me ask him second question so that they may, at least, think about it in the future. The next question which I want to ask you and which has been bothering me for a long time is about your aided schools. You are prevented by the Constitution from ... (Interruptions) ...

श्री सभापति: क्वेश्चन यूंजी०सी० के बारे में है ... (व्यवधान) .. क्वेश्चन यूंजी०सी० के बारे में है। अब आप छोड़ दीजिए। नेक्स्ट क्वेश्चन 127।

SHRI RAM JETHMALANI: Sir, but the U.G.C. is the one which provides these funds.

MR. CHAIRMAN: But not for the Mid-Day Meal Scheme.